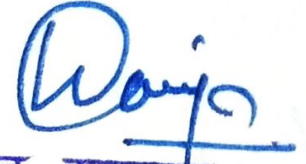


20.09.2023:—आज पत्रावली पेशी मे आई। वादी अधिवक्ता उपस्थित नही होन के कारण मूल वाद-पत्र खारिज हो चुका है। मूल वाद पत्र खारिज होने के कारण प्रार्थना-पत्र मे कोई कार्यवाही शेष नही रह जाती। मूल वादपत्र खारिज होने के कारण प्रार्थी उक्त प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 212 आर.टी.ए. वर्तमान स्तर पर ही खारिज किया जाता है। पत्रावली नम्बर से कम की जाकर बाद तरबीज तकमील दाखिल दफतर हो।



सहायक कलक्टर
एवं उपखण्डाधिकारी
हनुमानगढ़

